

अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र में शोक की लहर

सीएम फडणवीस, डिप्टी सीएम शिंदे और राज्यपाल देवव्रत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से मिलने पहुंचे

मुंबई, 28 जनवरी। बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की खबर जैसे ही मिली, अस्पताल में फडणवीस, शिंदे और राज्यपाल देवव्रत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से मिलने पहुंचे, लेकिन वहां का नजारा हर आंखों को नम कर देने वाला था।



अजित पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर के देवलाही प्रवार में हुआ। कम उम्र में पारिवारिक जिम्मेदारियों निभाते हुए उन्होंने किसानों की समस्याएँ नजदीक से समझीं और सहकारी संस्थाओं से सार्वजनिक जीवन शुरू किया। 1991 में पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और 16 वर्ष रहे। बारामती से कई बार विधायक चुने गए तथा कृषि, बिजली, बागवानी और जल

संसाधन जैसे विभाग संभाले। वे विभिन्न अवार्डों में उपमुख्यमंत्री रहे, 23 नवंबर 2019 को एक-दिवसीय सरकार भी इसका हिस्सा रही। 'दादा' के रूप में पहचाने जाने वाले पवार जनता दरबार, समष्टवादिता और समय की पाबंदी के लिए जाने गए, जिसने उनकी प्रशासनिक शैली को परिभाषित किया जायेगा।

'दादा' के जनसंपर्क और संगठनात्मक सफर: अजित पवार

बिरला ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि सहकारिता से जनकल्याण और राज्य के विकास के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में हुए आसामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

आगे चलकर उनकी राजनीतिक भूमिका को आकार देता रहा। अजित पवार ने कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे विभाग संभाले। वे 2010-2014, 2019-2022 और जुलाई 2023 से उपमुख्यमंत्री रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अजित पवार पर जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महाराष्ट्र में विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताया है और दुर्घटना के परिणामों के प्रति अपनी संवेदनाएं जतायी हैं। मुर्मु ने अपने शोक संदेश में कहा कि श्री पवार का आसामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है।

विमान हादसों में जान गवाने वाले देश के बड़े नेता

- संजय गांधी 23 जून 1980 को विमान हादसे में मरे
- माधवराव सिधिया का 2001 में विमान दुर्घटना में निधन
- देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत की 8 दिसंबर, 2021 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई।
- हरियाणा के ऊर्जा मंत्री और उद्योगपति ओ.पी. जितल 31 मार्च 2005 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मरे, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेंद्र सिंह भी शामिल थे।
- आंध्र प्रदेश के 14वें मुख्यमंत्री वई एस राजशेखर रेड्डी का दो सितंबर 2009 को एक हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया था।
- अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री देवी खांडू 30 अप्रैल 2011 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गये थे।

उत्तराखंड में गठित होंगी 643 नई पैक्स समितियां

देहरादून, 28 जनवरी। उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को अपने आवास पर सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने प्रदेश में 643 नई बहुउद्देश्यीय पैक्स समितियों का गठन, सहकारी क्षेत्र में अनाज भंडारण योजना, तीन नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों, एनसीईआरटी की गतिविधियों में राज्य की भागीदारी, तथा फरवरी माह में गुजरात में प्रस्तावित सहकारिता सम्मेलन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

डॉ. रावत ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुजरात में प्रस्तावित सहकारिता सम्मेलन के सभी कार्य बिंदुओं पर समयबद्ध ढंग से तैयारियां पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को पारदर्शी, सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सचिव, सहकारिता डॉ. इकबाल अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत 643 नई पैक्स के गठन का प्रस्ताव है। जिसके सप्तेक्ष 621 पैक्स का गठन पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि निबंधक कार्यालय के निर्माण के संबंध में शीघ्र ही चिह्नित भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिला सहकारी बैंकों में वर्ग-एक, वर्ग-दो एवं वर्ग-तीन के कुल 177 रिक पदों पर आईबीपीएस के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया संपादित की जाएगी। डॉ. इकबाल ने यह भी बताया कि शीघ्र ही केंद्र नियमावली में संशोधन करते हुए 350 प्रोफेशनल सचिवों की नियुक्ति की जाएगी। वहीं सहकारी समिति अधिनियम-2003 एवं नियमावली-2004 में आवश्यक संशोधन कर सहकारी समितियों को और अधिक पारदर्शी एवं सशक्त बनाया जाएगा।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा: ट्रंप

वाशिंगटन, 28 जनवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा 'अरमाडा' ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि ईरान हमसे समझौता कर लेगा। कम से कम उनके पास देश तो बचेगा। श्री ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वापस दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में 'एक्सप्रेस' को दिये एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति 'परिवर्तनशील' है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के



अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है।

सिद्धार्थनगर में 1052 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास

बिना भेदभाव विकास, योगी का परिवार वाला संदेश

लखनऊ, 28 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिद्धार्थनगर महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर 1,052 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर जनपद को बड़ी सौगात दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता सरकार के लिए परिवार है और बिना भेदभाव विकास ही प्रार्थना है। योगी ने उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश, संस्कारों से विकसित भारत और सतत विकास को



रामराज्य की अवधारणा से जोड़ते हुए समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प दोहराया। सिद्धार्थनगर में आयोजित पांच दिवसीय महोत्सव के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य ढांचे और मजबूत कनेक्टिविटी की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता रेखांकित की।

यूजीसी नियम के विरोध में उमड़ जनसैलाब

रायबरेली, कौशांबी, देवरिया, 28 जनवरी। देवरिया और कौशांबी में बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियम 2026 के विरोध में व्यापक प्रदर्शन देखने को मिला। देवरिया में सुभाष चौक से कलेक्ट्रेट तक हजारों लोग नारेबाजी करते हुए पहुंचे, कचहरी मार्ग पर धरना दिया और कुछ समय के लिए सड़क जाम कर दी। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। बाद में जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लिया, तब जाम खुल सका। वहीं कौशांबी में स्वर्ण आर्मी कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और नए नियमों को वापस लेने की मांग उठाई। साथ ही रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी की और पैदल मार्च निकालते हुए तहसील परिसर तक विरोध दर्ज कराया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियम 2026 के

विरोध में स्वर्ण आर्मी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किया एवं जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर नए नियम वापस करने की मांग की गई। स्वर्ण आर्मी के कार्यकर्ता आज जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लिए जाने संबंधी ज्ञापनजिला अधिकारी को दिया। रायबरेली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में बुधवार को अधिकांशों ने प्रदर्शन किया और न्यायिक कार्य से विरत रहे। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी की और पैदल मार्च निकालते हुए तहसील परिसर तक विरोध दर्ज कराया।

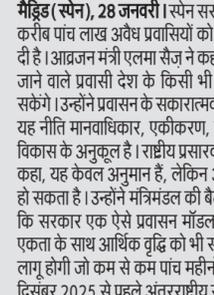
एक नजर में

रूस ने यूक्रेन की ट्रेन पर किया हमला, पांच की मौत



कीव, 28 जनवरी। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। श्री जेलेंस्की ने इस हमले को 'आतंकवाद की करतूत' बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। श्री जेलेंस्की ने 'एक्स' पर लिखा, ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य आदेश नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन से एक ने हमला किया था। रूस ने हमले के पीछे अपनी क्षमता, आतंक फैलाने की अपनी क्षमता में काफी बुद्धि की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस पर दबाव बनाने के अपने संदेश को दोहराया। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि 50 से ज्यादा रूस के ड्रोनों के एक हमले ने काला सागर बंदरगाह शहर ओडेसा पर भी हमला किया, जिसमें तीन लोग मारे गये और दो बच्चों सहित 30 से ज्यादा लोग घायल हो गये। ड्रोन ने शहर के पावर ग्रिड को निशाना बनाया, जिस पर मॉस्को ने सदियों के चरम पर बिजली और हीटिंग काटने के प्रयास में बार-बार हमला किया है।

स्पेन में अवैध प्रवासियों को वैध दर्जा देने मंजूरी



मैड्रिड (स्पेन), 28 जनवरी। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आठम मंत्री एलमा रेज ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किये जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सुश्री सैज ने कहा, यह केवल अनुमान है, लेकिन आठ लाख पांच लाख के आसपास हो सकता है। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार एक ऐसे प्रवासन मॉडल को मजबूत कर रही है जो सामाजिक एकता के साथ आर्थिक वृद्धि को भी समर्थन देता है। यह योजना उन लोगों पर लागू होगी जो कम से कम पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं और जिन्होंने 31 दिसंबर 2025 से पहले अंतरराष्ट्रीय संरक्षण के लिए आवेदन किया था।

लाजपत राय को कोटि-कोटि किया नमन

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जयंती पर दी श्रद्धांजलि



नई दिल्ली, 28 जनवरी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा संदेश में दो प्रसंगों को एक साथ जोड़ा। उन्होंने 'पंजाब केसेरी' लाला लाजपत राय की जयंती पर श्रद्धांजलि दी और महाराष्ट्र के बारामती में विमान हादसे की खबर पर शोक व्यक्त किया। संदेश में स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों का स्मरण करते हुए उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने आजादी, स्वाभिमान और न्याय के लिए लाजपत राय के योगदान को याद करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन किया।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी यून को रिश्तखोरी के आरोप में 20 महीने सजा



सोल, 28 जनवरी। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्तखोरी के आरोप में 20 महीने जेल की सजा सुनायी गयी है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ डॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की जूबली के साथ जेल की सजा सुनायी। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया। अदालत ने हालांकि उन्हें 'कैपिटल मार्केट्स एक्ट' और 'पॉलिटिकल फंड्स एक्ट' के उल्लंघन के आरोपों से भी मुक्त कर दिया।

आज का इतिहास

- 1528 भारत में मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर ने मेवाड़ के राजा राणा सांगा को पराजित कर चंदेरी के किले पर कब्जा जमाया।
- 1916 प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने फ्रांस पर पहली बार हमला किया।
- 1939 रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर की स्थापना।
- 1949 ब्रिटेन ने इजराइल को मान्यता दी।
- 1970 निशाणेबाजी में ओलंपिक पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर का जन्म।



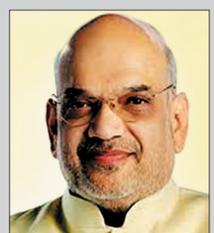
भिवानी परिवार मैत्री संग के कार्यक्रम में हजारों की भीड़

नई दिल्ली, 28 जनवरी। भिवानी परिवार मैत्री संग द्वारा आयोजित वनभोज-12.0 कार्यक्रम का कला, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति के अद्भुत संगम से हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रभक्ति का उत्सव श्री गोपीनाथ फार्म, जी टी करनाल रोड पर आयोजित इस कार्यक्रम में तिरंगा रोहण, मिलिट्री बैंड और युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि के जरिए देशभक्ति का भव्य स्वरूप दिखा। अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि राजेश चेतन को ओज, तेज से भरी प्रभावशाली एंकरिंग ने उपस्थित लोगों को घंटों बांधे रखा। संघ की यात्रा इस वर्ष की थीम %आरएसएस के 100 वर्ष% रही, जिसके तहत संस्था ने संघ के सिद्धांतों और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कला और संस्कार-संस्कार भारती के चित्रकारों की प्रदर्शनी, हवन-पूजन और युवाओं द्वारा बनाए गए तिरंगा टैटू ने पारंपरिक व आधुनिक मूल्यों को जोड़ा। समाज सेवा कार्यक्रम के दौरान मेगा मेडिकल कैंप और रक्तदान शिविर का आयोजन कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया गया। मनोरंजन और जुड़ाव-राजेश चेतन और प्रमोद शर्मा की ओजस्वी एंकरिंग के साथ मनोज मुंशीरि की डॉक्यूमेंट्री और खेलों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। अतिथियों की गरिमा कार्यक्रम में नवल किशोर गोयल की अध्यक्षता और कई गणमान्य विभूतियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गौरवमयी बनाया। रमेश अग्रवाल, हंसराज खेतान, सीए के एल गर्ग, राजेश रेलतान, जयकृष्ण गोयल, जगदीश प्रसाद बगडिया, सतीश अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, राजीव गोयल तोशामवाल, विजय चिंदल, अनिल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सनी जैन व हरदयाल राजपाल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे।

जयंती पर श्रद्धासुमन गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने कहा-उनकी भूमिका अविस्मरणीय

महान नायक लाला लाजपत राय को देश ने किया याद

नई दिल्ली, 28 जनवरी। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जयंती पर देश के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें पंजाब का 'केसरी' कहा जाता है। अंग्रेजों ने उनकी लाठियों से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई नेताओं ने उन्हें नमन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनके अदम्य साहस, त्याग और



स्वदेशी के संकल्प को याद किया। नेताओं ने सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से लाजपत राय के बलिदान को राष्ट्रीय एकता, स्वावलंबन और राष्ट्र प्रथम की

प्रेरणा बताया, साथ ही शिक्षा, समाज सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण में उनके योगदान को आज भी प्रासंगिक करार दिया। लाला लाजपत राय की जयंती पर देश के प्रमुख नेताओं ने उनके संघर्ष, विचार और बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा कि लाजपत राय का बलिदान बिखरे हुए स्वतंत्रता आंदोलन को एकता के सूत्र में पिरोने वाली महाज्वाला बना। उन्होंने कहा कि उनका नेतृत्व भ्रमट सिंह जैसे क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहा और स्वाधीन, स्वावलंबी भारत के निर्माण में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है।

26 स्कूलों में बम की धमकी के बाद स्थिति नियंत्रण में: एसएसपी

चंडीगढ़ 28 जनवरी। चंडीगढ़ की 26 स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और पुलिस प्रशासन सतर्कता के साथ हर पहलू की जांच कर रहा है। चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवर्दीप कौर ने एक बयान में यह जानकारी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और पुलिस प्रशासन सतर्कता के साथ हर पहलू की जांच कर रहा है। एसएसपी के अनुसार शहर के कुल 26 स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए हैं।

कांग्रेस बेवजह मुद्दा बना रही है: प्रह्लाद जोशी

गणतंत्र दिवस सीटिंग विवाद

हुबली, 28 जनवरी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर विपक्ष की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को तीसरी पंक्ति में बैठाने की व्यवस्था पूरी तरह स्थापित प्रोटोकॉल के अनुरूप थी। श्री जोशी ने कहा कि इस पूरे मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है और कांग्रेस हर बार औपचारिक एवं



परंपरागत व्यवस्थाओं को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा, हर किसी को यह समझना चाहिए कि प्रोटोकॉल के अनुसार ही सारी व्यवस्थाएं की जाती हैं। जब मैं पहली बार वहां गया था, तब मैं संसदीय कार्य मंत्री था, फिर भी मुझे तीसरी पंक्ति में ही बैठना पड़ा था। इसमें समस्या क्या है? यह पहले भी कई बार हो चुका है, लेकिन हर बार कांग्रेस इसे मुद्दा बनाती है। वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस व्यवस्था पर कड़ा पत्राचार जताया है। उनका कहना है कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष को तीसरी पंक्ति में बैठाना न केवल पद की गरिमा का अपमान है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है।